



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 223]
No. 223]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 3, 1997/ज्येष्ठ 13, 1919
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 3, 1997/JYAISTHA 13, 1919

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जून, 1997

सं. 53/97-सीमा शुल्क

सा. का. नि. 302 (अ).—केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है) उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग में भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त सौ प्रतिशत निर्यातानुमुखी एककों के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित सौ प्रतिशत निर्यातानुमुखी एककों द्वारा जब उसका भारत से बाहर निर्यात हेतु वस्तुओं के विनिर्माण के लिए, अथवा भारत से बाहर माल अथवा सेवाओं के निर्यात के लिए उत्पादन अथवा पैकेजिंग अथवा उजरती कार्य के संबंध में प्रयुक्त किए जाने हेतु आयात किया जाए, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा शुल्क से और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है ; अर्थात् :—

(1) माल के आयात, निकासी, निर्यात अन्तरण और उपयोग तथा उससे विनिर्मित माल और निर्यात के प्रतिशत के रूप में निवल विदेशी मुद्रा आय पर वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार की दिनांक 31 मार्च, 1997 की अधिसूचना सं. 1/1997 द्वारा अधिसूचित निर्यात तथा आयात नीति पहली अप्रैल, 1997 से 31 मार्च, 2002 (जिसका इसमें इसके बाद उक्त निर्यात तथा आयात नीति के रूप में उल्लेख किया गया है) की शर्तें लागू होंगी।

(2) आयातकर्ता को उक्त प्रयोजन के लिए माल के आयात के लिए आवश्यक लाइसेंस मंजूर किया गया है।

(3) आयातकर्ता विनिर्माण संक्रियाएं सीमा शुल्क बाण्ड में और ऐसी अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए जो सहायक सीमा शुल्क आयुक्त इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, करता है;

(4) आयातकर्ता माल के विनिर्मित वस्तुओं का 100 प्रतिशत या ऐसा अन्य प्रतिशत जो उक्त बोर्ड नियत करे, ऐसी अनुबंधित अवधि के लिए या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के लिए जो उक्त बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट करे, भारत से बाहर निर्यात करता है;

(5) जहां सीमा शुल्क सहायक आयुक्त के लिए संतोषप्रद भाव में यह दर्शाया जाए कि विकास आयुक्त अथवा उक्त बोर्ड द्वारा उक्त इकाई को निर्यात-आयात नीति के अनुसार भारत में किसी अन्य स्थान पर ले जाने के लिए उक्त किसी माल की निकासी की अनुमति दी गई है—

- (क) पूंजीगत माल, सामग्री उठाने-धरने के उपस्कर, कार्यालय उपस्कर और कैपटिव पावर प्लांट्स की ऐसी निकासी की अनुमति उनके मूल्य-हास के आधार पर ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क के बराबर राशि की अदायगी करने पर और ऐसे शुल्क की अदायगी की तारीख को लागू दर पर दी जा सकती है;
- (ख) खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट माल से भिन्न माल (जिसमें बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त आधान शामिल हैं) की ऐसी निकासी की अनुमति आयात के समय मूल्य पर सीमा शुल्क की अदायगी करने पर और ऐसे सीमा शुल्क की अदायगी की तारीख को लागू दर पर दी जा सकती है;
- (ग) गते के बक्सों, बार-बार काम न आने वाले एक प्रकार के पॉलीथीन के थैलों जैसी प्रयुक्त पैकिंग सामग्रियों की ऐसी निकासी की सीमा शुल्क की अदायगी के बिना अनुमति दी जा सकती है।

बशर्ते कि आयातकर्ता सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष संख्या 98.01 के अंतर्गत आने वाले माल पर लागू छूट, अथवा निर्यात संवर्द्धन पूंजीगत माल योजना से भिन्न निर्यात संवर्द्धन योजना, जिसमें डिबॉडिंग के समय लागू अधिसूचना के अनुसरण में मूल्यानुसार 10% शुल्क की दर पर पूंजीगत माल के आयात के अनुमति है, के अंतर्गत आयातित माल के लिए उपलब्ध छूट प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं होगा।

स्पष्टीकरण :—खण्ड (क) के अंतर्गत आने वाले माल के संबंध में मूल्यहास की अनुमति उस अवधि के लिए दी जाएगी जिस तारीख से इकाई का वाणिज्यिक उत्पादन आरम्भ हुआ हो अथवा जहां ऐसे माल का आयात ऐसे वाणिज्यिक उत्पादन के आरम्भ होने के बाद किया गया हो, तो उस तारीख से लेकर शुल्क अदायगी की तारीख तक, जब ऐसे माल का वाणिज्यिक उत्पादन के लिए उपयोग करना आरम्भ किया गया हो।

(6) आयातकर्ता ऐसे रूप में और इतनी राशि के लिए तथा ऐसी प्रतिभूति अथवा जमानत के साथ बाण्ड निष्पादित करके जिसे सीमा शुल्क सहायक समाहर्ता द्वारा निर्धारित किया गया हो, निर्यात बचनबद्धता और इस अधिसूचना में और उक्त निर्यात आयात नीति में अथवा उसके अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करता है और माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर राशि मांग करने पर अदा करता है। जिनसे सीमा शुल्क सहायक आयुक्त के लिए संतोषप्रद रूप में यह सिद्ध न हो कि उन्हें वस्तुओं के विनिर्माण अथवा भारत से बाहर वस्तुओं अथवा सेवाओं के निर्यात, के लिए उत्पादन अथवा पैकेजिंग अथवा उजरती कार्य के संबंध में प्रयुक्त नहीं किया गया है।

(7) इस अधिसूचना में विहित किसी बात के होते हुए भी उस माल पर भी छूट लागू होगी जिसे भारत में आयात करने पर सौ फीसदी निर्यातोन्मुखी एककों में वस्तुओं के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त किया जाता है और ऐसी वस्तुओं (जिनमें ऐसी वस्तुओं के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न छीज, अपशिष्ट और स्क्रेप शामिल हैं) को, चाहे उन्हें भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता हो, निर्यात-आयात नीति के अनुसरण में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अंतर्गत उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क की अदायगी करने पर भारत में बेचने की अनुमति है अथवा जहां ऐसी वस्तुएं (जिनमें छीज, अपशिष्ट और स्क्रेप सामग्री शामिल हैं) उत्पाद शुल्क नहीं है, तो ऐसी वस्तुओं के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त आयातित माल पर सीमा शुल्क की उतनी राशि के बराबर, जो इन वस्तुओं पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क के बराबर हो, अदायगी करने पर बेचने की अनुमति है, जैसे कि उन्हें उसी रूप में आयात किया गया हो ;

(8) सीमा शुल्क आयुक्त भारत में आयातित माल को अथवा आंशिक रूप से संसाधित अथवा विनिर्मित अथवा पैक किए गए माल को परीक्षण, परम्पत, परिशोधन, संसाधन, प्रदर्शन, उजरती कार्य अथवा अनन्तिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए आवश्यक किसी अन्य कार्य हेतु अस्थायी रूप से शुल्क की अदायगी के बिना संबंधित सौ फीसदी निर्यातोन्मुखी एकक के बाहर ले जाने की और उसी एकक में वापसी हेतु अनुमति दे सकता है बशर्ते कि इस संबंध में उसके द्वारा यथाविनिर्दिष्ट शर्तों और परिसीमाओं का पालन किया गया हो।

(9) सहायक सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह निर्धारित करे, किसी 100% निर्यातोन्मुखी इकाई द्वारा आयात किए गए अथवा उससे प्राप्त किए गए माल की आपूर्ति अथवा हस्तांतरण करने अथवा ऐसी इकाई द्वारा विनिर्मित वस्तुओं की किसी अन्य 100% निर्यातोन्मुखी इकाई को अथवा आगे और विनिर्माण तथा निर्यात के लिए अथवा निर्यात के लिए अथवा उक्त इकाई में प्रयोग होने के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफ. टी. जेड.) अथवा निर्यात प्रोसेसिंग क्षेत्र (ई. पी. जेड.) में किसी इकाई को वस्तुओं की आपूर्ति करने अथवा हस्तांतरण करने की अनुमति दी जा सकती है।

(10) विकास आयुक्त द्वारा, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह निर्धारित करे, किसी इकाई को माल का पुनः निर्यात करने की अनुमति दी जा सकती है।

(11) जहां किसी इकाई द्वारा बांड में विनिर्माण की पूरी प्रक्रिया को पूरा करना संभव नहीं हो, वहां सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह निर्धारित करे, ऐसी इकाई को सीमा शुल्क बांड में ऐसी प्रक्रिया, जैसी आवश्यक हो, को पूरा करने की अनुमति दी जा सकती है।

(12) सहायक सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह निर्धारित करे, शुल्क के भुगतान के बिना कूड़ा करकट, अपशिष्ट और छीजन को उक्त 100% निर्यातोन्मुखी इकाई के भीतर नष्ट करने की अनुमति दी जा सकती है अथवा वहां उक्त इकाई से बाहर उसे नष्ट करने की अनुमति दी जा सकती है, जहां पर उसे उक्त इकाई के भीतर नष्ट करना संभव अथवा अनुमत्त न हो।

(13) इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी इसमें विहित छूट, नीचे दी गयी तालिका में विनिर्दिष्ट पुर्जों और उपयोध्य वस्तुओं से भिन्न

पुर्जों और उपयोग्य वस्तुओं पर भी उक्त उपक्रम द्वारा पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान भारत से बाहर निर्यात करने के लिए विनिर्मित की गयी वस्तुओं के कारखाना मूल्य के 1.5 % की सीमा तक लागू होगी अथवा ऐसे प्रतिशत से अधिक की सीमा तक लागू होगी, जैसी कि केन्द्र सरकार द्वारा, आफ्टर-सेल सर्विस के लिए निर्यात योग्य वस्तुओं सहित ऐसे पुर्जों और उपयोग्य वस्तुओं की आपूर्ति इस शर्त के अनुसार करने के लिए कि ऐसी आपूर्ति संगत निर्यात संधिदा में विशिष्ट रूप से निर्धारित की गयी है, सौ प्रतिशत निर्यातानुखी इकाईयों के लिए उक्त अनुमोदन बोर्ड द्वारा इस बारे में की गयी सिफारिश को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक अलग-अलग मामले में अनुमति दी जाए और सहायक सीमा शुल्क आयुक्त इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुर्जों और उपयोग्य वस्तुओं के मूल्य को उक्त आयात-निर्यात नीति के अंतर्गत, यथापेक्षित अतिरिक्त मूल्य का आकलन करने के लिए शामिल कर लिया गया है।

2. इस अधिसूचना में निहित कोई भी बात किसी मत्स्य पालन इकाई द्वारा आयात किए गए माल पर लागू नहीं होगी।

3. पैराग्राफ-1 में निहित किसी बात के होते हुए भी कम्प्यूटर साफ्टवेयर डाटा एण्ट्री एण्ड कनवर्जन, डाटा प्रोसेसिंग, डाटा विश्लेषण एवं नियंत्रण अथवा डाटा मैनेजमेंट के विकास में लगी इकाईयों के मामले में इसमें निहित छूट ऐसी इकाई द्वारा उक्त किसी अथवा सभी प्रयोजनों के लिए, निर्यात के लिए और विदेश में "आनसाइट" साफ्टवेयर के विकास के लिए परामर्शदात्री सेवाएं उपलब्ध करने के लिए आयात किए गए माल पर भी लागू होगी :

बशर्ते कि —

(क) उक्त इकाई द्वारा इस अधिसूचना में निहित शर्तों का अनुपालन किया गया हो; और

(ख) सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की गयी प्रक्रिया का अनुसरण किया गया हो।

स्पष्टीकरण :—विदेश में "आनसाइट" उक्त प्रयोजन में से किसी अथवा सभी प्रयोजनों के निमित्त परामर्शदात्री सेवाओं के लिए किसी इकाई द्वारा परिवर्तनीय विदेशी मुद्राओं में प्राप्त किए गए परामर्शदात्री शुल्क को इस अधिसूचना के अंतर्गत निर्यात संबंधी बाध्यताओं को पूरा करने के प्रयोजनार्थ निर्यात के रूप में समझा जाएगा।

4. (i) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की दिनांक 9 फरवरी, 1981 की अधिसूचना सं. 13/81-सी. शु. को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।
- (ii) ऐसे निरसन के बावजूद भी इस प्रकार से निरस्त की गयी अधिसूचना के अंतर्गत किए गए कार्य अथवा की गयी किसी कार्यवाही को इस अधिसूचना के तदनुकूपी उपबंधों के अंतर्गत निष्पन्न किया गया समझा जाएगा।

तालिका

क्रम सं.	माल का विवरण
(1)	(2)
1.	पूंजी माल
2.	कच्ची सामग्री
3.	संबटक
4.	उपस्कर संचालन सामग्री अर्थात्, फार्कलिफ्ट, ओवरहेड क्रेन्स, मोबाइल क्रेन्स, क्रालर क्रेन्स, हाईस्ट और स्टेकर्स
5.	पूंजी माल के लिए पुर्जे तथा उपस्कर संचालन सामग्री अर्थात्, फार्कलिफ्ट, ओवरहेड क्रेन्स, मोबाइल क्रेन्स, क्रालर क्रेन्स, हाईस्ट्स और स्टेकर्स
6.	माल के विनिर्माण और सेवाएं प्रदान करने के लिए अपेक्षित उपयोग्य वस्तुएं
7.	नमूने/प्रोटोटाइप जो विनिर्माण में शामिल वस्तु के प्रत्येक टाइप की संख्या दो से अधिक न हो।
8.	ड्राइंग, ब्लू प्रिंट, तकनीकी नक्शे और चार्ट जो विनिर्माण गतिविधि से संबंधित हैं।
9.	पैकेजिंग सामग्री।
10.	कार्यालय उपस्कर, पुर्जे और उसके लिए उपयोग्य वस्तुएं।
11.	केप्टिव पॉषर प्लांट्स जिसमें केप्टिव जनरेटिंग सेट्स और प्रत्येक प्लांट और सेट के लिए उनके पुर्जे, जैसा कि उक्त अनुमोदन बोर्ड द्वारा सिफारिश की गयी हो।
12.	विकास आयुक्त की सिफारिश के आधार पर सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा यथा-अनुमोदित फ्यूल, लुब्रीकेंट्स और अन्य उपयोग्य वस्तुएं।
13.	टूल्स, जिग्स, गेज, फिक्सर्स, मोल्ड्स, डाईज, उपकरण तथा सहायक उपकरण।
14.	मरम्मत अथवा रि-कंडिशनिंग के लिए निर्यात करने की तारीख के तीन वर्षों के भीतर पुनः आयात किया गया माल।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, 3rd June, 1997

No. 53/97-CUSTOMS

G.S.R. 302 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Table below (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the purpose of manufacture of articles for export out of India, or for being used in connection with the production or packaging or job work for export of goods or services out of India by hundred percent Export Oriented Units approved by the Board of Approvals for hundred percent Export Oriented Units appointed by the notification of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Policy and Promotion for this purpose, (hereinafter referred to as the said Board), from the whole of duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act subject to the following conditions, namely :—

(1) The imports, clearance, export, transfer and usage of the goods and goods manufactured therefrom and the net foreign exchange earning as a percentage of export shall be subject to the conditions of the Export and Import Policy—1st April, 1997 to 21st March, 2002 notified by the Government of India under the Ministry of Commerce Notification No. 1/1997 dated the 31st March, 1997 (hereafter referred to as the said Export and Import Policy).

(2) The importer has been granted necessary licence for the import of the goods for the said purpose.

(3) The importer carries out the manufacture, production, packaging or job work or service in Customs bond and subject to such other conditions as may be specified by the Commissioner of Customs in this behalf.

(4) Importer exports out of India 100% or such other percentage, as may be fixed by the said Board, of articles manufactured wholly or partly from the goods during the period stipulated by the said Board or such extended period as may be specified by the said Board.

(5) Where it is shown to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs that the said unit has been allowed by the Development Commissioner or the said Board to clear any of the said goods for being taken to any other place in India in accordance with the Export and Import Policy.

(a) such clearance of capital goods, material handling equipment, office equipment and captive power plants may be allowed on payment of an amount equal to the customs duty leviable on such goods on depreciated value thereof and the rate in force on the date of payment of such duty;

(b) such clearance of goods (including container, suitable for repeated use) other than those specified in clause (a), may be allowed on payment of customs duty on the value at the time of import and at rates in force on the date of payment of such customs duty;

(c) such clearance of used packing materials such as cardboard boxes, polyethylene bags of a kind unsuitable for repeated use may be allowed without payment of any customs duty.

Provided that the importer shall not be eligible to avail of the exemption applicable to goods falling under heading No. 98.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), or the exemption available to imported goods under the Export Promotion Scheme other than the Export Promotion Capital Goods Scheme permitting import of capital goods at the rate of duty of 10% ad valorem in terms of notification in force at the time of debonding.

Explanation :—The depreciation in respect of goods covered by clause (a) shall be allowed for the period from the date of commencement of commercial production of the unit or where such goods have been imported after such commencement, from the date such goods have come into use for commercial production, upto the date of payment of duty.

(6) The importer executes a bond in such form and for such sum and with such security or surety as may be prescribed by the Assistant Commissioner of Customs, binding himself to fulfil the export obligations and conditions stipulated in this notification and in or under said Export and Import Policy and to pay on demand an amount equal to the duty leviable on the goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in the manufacture of articles or in connection with the production or packaging or job work for export of goods or services out of India.

(7) Notwithstanding anything contained in this notification the exemption herewith shall also apply to goods which on importation into India are used for the purpose of manufacture of articles within hundred percent Export Oriented Unit and such articles (including rejects, waste and scrap material arising in the course of manufacture of such articles) even if not exported out of India, are allowed to be sold in India, in accordance with the Export and Import Policy, on payment of duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or where such articles (including rejects, waste and scrap material) are not excisable, on payment of customs duty on imported goods used for the purpose of manufacture of such articles in an amount equal to the customs duty leviable on such articles, as if imported as such.

(8) The Commissioner of Customs may permit the goods imported into India or goods partially processed or manufactured or packaged therefrom to be taken outside the hundred percent Export Oriented Unit concerned temporarily without payment of duty for the purposes of test, repairs, refining, processing, display, job work of any other operation necessary for manufacture of final product and return to the same unit subject to such conditions and limitations as may be specified by him in this behalf.

(9) The Assistant Commissioner of Customs may allow supply or transfer of goods imported by or received from, a hundred percent Export Oriented Unit or articles manufactured by such unit to another hundred percent Export Oriented Unit or to a unit in Free Trade Zone or Export Processing Zone for the purpose of further manufacture and export or for export or for use in the said unit, subject to such conditions and limitations as prescribed by him.

(10) The Development Commissioner may, subject to such condition as he may prescribe, permit a unit to re-export the goods.

(11) Where the whole of the process of manufacture by a unit is not possible to be undertaken in bond, the Commissioner of Customs may, subject to such conditions as may be imposed by him, allow such unit to undertake such of the processes, as necessary, in customs bond.

(12) The Assistant Commissioner of Customs may, subject to such conditions as he may prescribe, permit destruction of reject, waste and scrap material without the payment of duty, within the hundred percent Export Oriented Unit or outside the said unit where it is not possible or permissible to destroy the same within the said unit.

(13) Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to spares and consumables, other than those specified in the Table below, to the extent of 1.5% of the ex-factory value of articles manufactured for export out of India by the undertaking during the preceding year or such percentage in excess thereof as the Central Government may in each individual case allow having regard to the recommendation made in this behalf by the said Board of Approvals for hundred percent Export Oriented Unit for the purpose of supply of such spares and consumables with the export articles for after sale-service subject to the condition that such supply is specifically stipulated in the relevant export contract and the Assistant Commissioner of Customs is satisfied that the value of such spares and consumable has been included for arriving at the value addition as required under said Export and Import Policy.

2. Nothing contained in this notification shall apply to goods imported by an aquaculture unit.

3. Notwithstanding anything contained in paragraph 1, in the case of units engaged in the development of computer software, data entry and conversion, data processing, data analysis and control or data management, the exemption contained

1376 21/9-2

therein shall also apply to goods imported by such unit for any or all of the said purposes, for export and for providing consultancy services for development of software 'on site' board :

Provided that —

- (a) the conditions stipulated in this notification are complied with by said unit; and
- (b) the procedure specified by the Commissioner of Customs is followed.

Explanation. — Consultancy fees received by a unit in convertible foreign currencies for consultancy services for any or all of the said purposes 'on site' abroad shall be deemed to be exports for the purposes of fulfillment of export obligation under this notification.

4. (i) The notification No. 13/81-Cus. dated the 9th February, 1981 of the Government of India in the Ministry of Finance is hereby rescinded. (ii) Notwithstanding such rescission, anything done or action taken under notification so rescinded shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this notification.

TABLE

Serial No.	Description of goods
(1)	(2)
1.	Capital goods.
2.	Raw Materials.
3.	Components.
4.	Material handling equipments, namely, forklifts, overhead cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers.
5.	Spares for capital goods and material handling equipments namely, forklifts, overhead cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers.
6.	Consumables required for manufacture of goods and rendering services.
7.	Samples/Prototypes, not exceeding two in number of each type of article covered by the manufacturing.
8.	Drawing, blue prints, technical maps and charts, relating to the manufacturing activity.
9.	Packaging materials.
10.	Office equipment, spares and consumables thereof.
11.	Captive power plants, including captive generating sets and their spares for such plants and sets as recommended by the said Board of Approvals.
12.	Fuel, Lubricants and other consumables as approved by Commissioner of Customs on recommendation of the Development Commissioner.
13.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and Accessories.
14.	Goods, re-imported within three years of the date of exportation for repair or re-conditioning.

[F. No. 313/5/97-FTT]

A. S. BEDL, Under Secy.